बुक-पोस्ट प्रकाशित सामग्री

गुरुकुल पत्रिका । प्रहलाद । आर्य भट्ट

रजि० संख्या एल० १२७७

72

सेवा में,

व्यवसाय प्रबन्धक
गुरुकुल काँगड़ी विश्वविद्यालय
हरिद्वार

संध्याप्रयोग :

लेखक = मिश्र हरनारायण गंगाराम

पेज = 1

= 17 x 11.5 x 0.1 c.m.

आगच्छ वरदे देवि अक्षरे ब्रह्मवादिनि ॥ गायत्रि

... ...

इति संध्या प्रयोगः लिखितं मिश्र हरनारायण गंगाराम पठनार्थं

72

सं॰ ॥ ८२० ॥

॥८॥ ग्रागच्छ वरदे देवि त्र्यक्षरे ब्रह्मवादिनि॥ गायत्रि
छंदसां मातर्ब्रह्मयोने नमोस्तुते॥१॥ ॐ भू
र्भुवः स्वः॥ ॐ तत्सवितुर्वरेण्यं भर्गो देवस्य धी
महि धियो यो नः प्रचोदयात्॥ इति मंत्रं यथाश
क्ति जपेत्॥ उत्तरे शिखरे जाता भूम्यां पर्वतवा
सिनी॥ ब्रह्मणा समनुज्ञाता गच्छ देवि यथा
सुखं॥१॥ ॐ नमो विवस्वते ब्रह्मन् भास्वते वि
ष्णुतेजसे॥ जगत्सवित्रे शुचये सवित्रे क
र्मदायिने॥१॥ इति संध्याप्रयोगः॥ लि

॥८॥